क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 86, शनिवार, 20 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

करकरे पर बयान को लेकर केजरीवाल ने प्रज्ञा ठाकुर पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 26-11 के आतंकी हमले में मारे गए हेमंत करकरे पर टिप्पणी के लिए भोपाल से भाजपा प्रत्याशी प्रज्ञा ठाकुर पर निशाना साधा। खबरों के अनुसार, प्रज्ञा ठाकुर ने दावा किया है कि मुंबई के आतंकवाद निरोधक दस्ते के पूर्व प्रमुख हेमंत करकरे ने उन्हें मालेगांव विस्फोट मामले में गलत तरह से फंसाया था और वह अपने कर्मों की वजह से मारे गये। करकरे मुंबई आतंकी हमलों के दौरान मारे गए थे। केजरीवाल ने ट्वीट किया, 26-11 के शहीद हेमंत करकरे जी पर भोपाल से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी प्रज्ञा ठाकुर के अशिष्ट बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। भाजपा अपना असली रंग दिखा रही है और इसे अब इसकी जगह दिखा देनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा उन हेमंत करकरे की शहादत पर सवाल उठा रही है, जिन्होंने मुंबई आतंकी हमले में भारत माता की सुरक्षा की। उन्होंने ट्वीट किया, इस पर किसी भक्त को गुस्सा नहीं आएगा.... यह भाजपा की देशभक्ति है। उन्होंने ट्वीट किया, इस पर किसी भक्त को गुस्सा नहीं आएगा.... यह भाजपा की देशभक्ति है।

दूसरे चरण में हुई जमकर वोटिंग, 69.4 फीसदी रहा मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को 11 राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी की 95 सीटों पर 69.4 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में भी 69.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। पहले दौर में 11 अप्रैल को 20 राज्यों की 97 सीटों पर वोट डाले गये थे। उल्लेखनीय है कि 2014 के लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 69.62 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी किये गये मतदान के आंकड़े के अनुसार दूसरे दौर में सर्वाधिक मतदान मणिपुर में 81.09 प्रतिशत हुआ। इसके बाद पश्चिम बंगाल की तीन सीटों पर 80.72 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू कश्मीर की दो सीटों (उधमपुर और श्रीनगर) पर सबसे कम 45.64 प्रतिशत मतदान हुआ। इस चरण की 95 सीटों में सर्वाधिक मतदान पश्चिम बंगाल की जलपाईगुड़ी सीट पर 86.44 प्रतिशत हुआ। इस दौर में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान वाली अन्य सीटों में असम की मंगलाडोई (83.60 प्रतिशत), भीतरी मणिपुर (81.09 प्रतिशत), तमिलनाडु की धर्मापुरी (80.49 प्रतिशत) और कर्नाटक की मांडया (80.23 प्रतिशत) शामिल हैं। दूसरे चरण में कम मतदान वाले राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार भी रहे। महाराष्ट्र की दस सीटों पर 62.72 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर 62.17 प्रतिशत और बिहार की पांच सीटों पर 62 प्रतिशत मतदान हुआ। कर्नाटक की 28 में से 14 सीटों पर मतदान का प्रतिशत 68.55 रहा। उत्तर प्रदेश की अमरोहा सीट पर सर्वाधिक 70.12 प्रतिशत और आगरा में सबसे कम 58.58 प्रतिशत मतदान हुआ।

व्यापारी कल्याण बोर्ड

व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाएंगे, किसानों की तरह क्रेडिट कार्ड योजना लाएंगे: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पीएम मोदी व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे. ट्रेडर्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश को सोने की चिड़िया व्यापारियों ने बनाया था. देश के व्यापारी मौसम वैज्ञानिक होते हैं. मैं उनकी ताकत को सलाम करता हूं. पीएम मोदी ने कहा, 2014 में चुनाव से पहले मैंने कहा था कि मैं आऊंगा तो हर दिन एक कानून खत्म करूंगा और आपको खुशी होगी कि पिछले पांच साल में 1,500 कानून खत्म किये हैं. मेरा मकसद ईज ऑफ लिविंग का है. पीएम मोदी ने कहा, बिजनेस समुदाय सच्चा मौसम विज्ञानी होता है. क्योंकि उन्हें सभी चीजें एडवांस में पता होती हैं. वे कई चीजों का बहुत पहले ही आंकलन कर लेते हैं. पीएम मोदी ने कहा, व्यापारियों को कानून के जंगल से गुजरना पड़ता है. महंगाई की तोहमत भी उनके माथे पर मढ़ दी जाती है. ट्रेडर्स सम्मेलन में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस के जमाखोरों ने व्यापारियों का फायदा उठाया और महंगाई की तोहमत व्यापारियों पर डाल दी. हमने पांच साल में व्यापार में कई नियमों में ढील दी है. पीएम मोदी ने जीएसटी पर कहा, से व्यापार करना आसान हुआ है. इससे राज्यों का मुनाफा भी डेढ़ गुना तक बढ़ा है. पीएम मोदी ने कहा, हमारा देश तेजी से आगे बढ़ सके इसके लिए हम 23 मई को जब फिर एक बार मोदी सरकार बनेगी तो राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाएंगे. ये बोर्ड सरकार और व्यापार के बीच का संवाद होगा. हम जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड सभी व्यापारियों को 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराएंगे. किसान क्रेडिट कार्ड की तरह ही हम रजिस्टर्ड व्यापारियों के लिए व्यापारी क्रेडिट कार्ड की योजना लाएंगे. पीएम मोदी ने कहा, 2014 में भी आप लोगों ने मुझे बुलाया था, उस समय मैं प्रधानमंत्री नहीं था. आप लोग पूरे देश से आए थे, लेकिन संख्या थोड़ी कम थी. क्योंकि स्वाभाविक है, मोदी के कार्यक्रम में जाएंगे और कोई फोटो निकाल देगा तो इन्कम टैक्स की रेड पड़ जाएगी. पहले रिटर्न के लिए दर्जनों फॉर्म भरने पड़ते थे, अब घटकर 3-4 हो गए हैं. पहले ये धारणा थी कि सरकार में जो बैठे लोग हैं, सिर्फ वहीं ईमानदार हैं, बाकी सब चोर हैं. देश ऐसे नहीं चलता है. हमारे देश में व्यापारियों को मान-सम्मान देने में सरकारी व्यवस्थाओं में कमी रही है और उसके लिए जिम्मेदार पुरानी सरकार में बैठे लोग रहे हैं, क्योंकि उनकी सोच थी कि व्यापारियों को दोष दो और बाकी लोगों को खुश रखो. इस ट्रेडर्स सम्मेलन का आयोजन भाजपा को समर्थन देने वाले व्यापारी कर रहे हैं. व्यापारियों ने लोकसभा चुनाव के लिये पार्टी घोषणापत्र में किए गए विभिन्न वादों के प्रति आभार जताने के लिये इसका आयोजन किया है. दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिये जारी पार्टी घोषणा पत्र से व्यापारियों समेत उन लोगों में उम्मीद जगी है जो मोदी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं. आने के बाद व्यापार में पारदर्शिता आई है, आपको कच्चे-पक्के की मजबूरी से मुक्ति मिली है. यही कारण है कि रजिस्टर्ड व्यापारियों की संख्या आने के बाद करीब दोगुनी हो गयी है. आपके सहयोग से ही देश पिछले 5 सालों में ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस में 65 स्थानों की छलांग लगाकर विश्व में 77वें स्थान पर आ गया है. हम जल्द से जल्द इस रैंकिंग में 50वें स्थान पर आना चाहते हैं और इसके लिए छोटे कारोबारियों के लिए व्यापार को आसान कर हम

अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं. हम कारोबारियों को कर्ज मिलने में बहुत सी दिक्कतों को तकनीक से खत्म कर रहे हैं. अब आपको 59 मिनट लोन पोर्टल से 1 करोड़ तक का लोन एक घंटे से कम समय में मिल रहा है. आज आपके सुझावों की वजह से ही दैनिक उपयोग की ज्यादातर वस्तुओं पर टैक्स जीरो है. 98 प्रतिशत चीजें 18 प्रतिशत से कम टैक्स के दायरे में है।

अमेठी पहुंचीं प्रियंका चुनाव तैयारियों का जायजा ले रहीं

अमेठी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज(शुक्रवार को) पार्टी अध्यक्ष व अपने भाई राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में हैं। वह यहां गौरीगंज में राहुल के जनसंपर्क कार्यालय में पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों का जायजा ले रहीं हैं। इस दौरान उनके साथ राज्यसभा के पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी, एमएलसी दीपक सिंह के साथ कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद हैं। एमएलसी दीपक सिंह ने बताया कि प्रियंका जिला, मंडल, पंचायत और बूथ लेवल कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहीं हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अमेठी की यथास्थिति की जानकारी ली है। दीपक ने बताया, प्रियंका ने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ लेवल को और मजबूत करने को कहा है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस सरकार के काम को जनता में प्रचारित कर वोट मांगने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि इसके बाद वह पदाधिकारियों के साथ चुनाव तैयारियों को लेकर एक बैठक और करेंगी। इसके साथ ही वह क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों से भी मुलाकात भी करेंगी। उन्होंने बताया कि शाम चार बजे वह यहां से चली जाएंगी। प्रियंका गांधी के जारी हुए कार्यक्रम के मुताबिक, वह शाम को करीब पांच बजे से कानपुर में रोड शो करेंगी। प्रियंका गांधी के जारी हुए कार्यक्रम के मुताबिक, वह शाम को करीब पांच बजे से कानपुर में रोड शो करेंगी। वहां करीब दो घंटे का रोडशो होगा। कांग्रेस ने कानपुर से श्रीप्रकाश जायसवाल को टिकट दिया है। रोड शो के साथ-साथ प्रियंका फूलबाग में नुक्कड़ सभा करेंगी। प्रियंका का रोड शो देर शाम बड़ा चौराहा पर जा कर खत्म होगा।

राहुल गांधी ने फिर कसा मोदी पर तंज, कहा- चौकीदार चोर है

बाजीपुरा (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी की न्यूनतम आय योजना (न्याय) अर्थव्यवस्था में नयी जान डालने में मदद करेगी और देश में रोजगार के अवसर पैदा करेगी, जो नोटबंदी और जीएसटी की मार झेल रही है। राहुल ने यहां एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए चौकीदार चोर है, तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे में कारोबारी अनिल अंबानी को 30,000 करोड़ रूपये दिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने न्यूनतम आय योजना के तहत गरीबों को 72,000 रूपए देने का वादा किया, जो देश में गरीबों की आर्थिक हालत को बदल कर रख देगा। उन्होंने कहा कि न्याय लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस घोषणापत्र की एक मुख्य विशेषता है और यह योजना पार्टी में विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई। राहुल ने कहा कि मोदी ने 2014 में लोगों को 15 लाख रुपए देने का झूठा वादा किया था लेकिन कांग्रेस 3. 60 लाख रुपए (पांच साल में कुल अनुमानित रकम) जरूर देगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने 2016 के नोटबंदी के कदम का मजाक उड़ाते हुए कहा, एक दिन, नरेंद्र मोदी ने यह घोषणा की कि 1000 और 500 के (पुराने) नोट चलन से बाहर कर दिए गए हैं क्योंकि वे मुझे ज्यादा कालाधन बनाने में मदद नहीं कर रहे हैं। इसलिए मैं 2000 रूपए के नोट लाऊंगा क्योंकि उसके जरिए हम और अधिक कालाधन जमा कर सकेंगे। राहुल ने जीएसटी लागू करने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने गब्बर सिंह टैक्स (जीएसटी) पेश किया। ये दोनों (नोटबंदी और जीएसटी) कदम देश के लिए जोरदार झटका थे। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के बाद नकदी की तंगी के चलते आम आदमी ने सामान खरीदना बंद कर दिया, जिसके चलते वस्तुओं का उत्पादन करने वाली भारतीय कंपनियां बंद हो गईं। इसके चलते अभी देश में बेरोजगारी की दर 45 साल के अपने

उच्चतम स्तर पर है। राहुल ने कहा, हालांकि, हमारी न्याय (योजना) अर्थव्यवस्था में नई जान डालेगी और रोजगार के अधिक अवसर पैदा करेगी। न्याय के तहत लोगों के पास जाने वाला पैसा गरीबों को वस्तुएं खरीदने में मदद करेगा, जिससे कंपनियां फिर से चालू हो जाएंगी और लोगों को नौकरियां मिलेंगी। राहुल ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ कुछ धनी उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, क्या आम आदमी को चौकीदार की जरूरत है? चौकीदार की जरूरत किसानों के घर के आगे नहीं होती है। यह अनिल अंबानी का चौकीदार है। उन्होंने फ्रांस के साथ हुए राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए।

चुनावी वादाखिलाफी का शिकार चिमनियों का शहर कानपुर, बदहाली का दंश झेलने को मजबूर

कानपुर। प्रदूषण और जाम की समस्या से कराहते औद्योगिक नगरी कानपुर के बाशिंदो ने आजादी के बाद हुये हर चुनाव में जातिगत समीकरणों की बजाय विकास के मुद्दे को तरजीह दी लेकिन राजनीतिक दलों की वादाखिलाफी का शिकार यह शहर आज भी बदहाली का दंश झेलने को मजबूर है। जनसंख्या घनत्व के मामले में उत्तर प्रदेश में अव्वल यह शहर प्रदूषण के मामले में दुनिया भर में सुर्खियां बटोरता रहा है। धूल और धुयें के उठते गुबार से यहां की आबोहवा श्वांस और हृदय रोगियों के लिये जानलेवा है वहीं जीवनदायिनी गंगा भी इसी शहर में प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार झेलती है। शहर के बीचोंबीच से गुजरती अनवरगंज-मंधना रेल लाइन शहर की रफ्तार को सुस्त करने में अहम भूमिका निभाती है। आटो मोबाइल, रेडीमेड वस्त्र, इलेक्ट्रिक उपकरणों के बड़े निर्माण केन्द्र के अलावा खाद्य पदार्थो की बड़ी मंडी के तौर पर विख्यात कानपुर को एक जमाने में पूरब का मैनचेस्टर कहा जाता था। टेक्सटाइल्स और चर्म उत्पादों की कई मिलों में यहां हजारों श्रमिक काम करते थे। ब्रिटिश टेक्सटाइल कारपोरेशन (बीटीसी), स्वदेशी काटन मिल,म्योर मिल, एल्गिन मिल,जेके जूट मिल और लाल इमली शहर की शान हुआ करती थी लेकिन मिल्स यूनियनो और राजनेताओं की मिलीभगत से एक एक कर सभी मिलों में तालाबंदी होती चली गयी और आज इनमें से अधिसंख्य मिलों में चमगादड़ों का बसेरा है जबकि कई मिल परिसरों में पुलिस और अन्य विभागों ने कब्जा जमा रखा है।

जेटली बोले- चौंकाने वाले होंगे पूर्वोत्तर, बंगाल और उड़ीसा के चुनाव परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनाव 2019 में पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के परिणाम सबसे चौंकाने वाले होंगे। उनका कहना है कि सात में से पहले दो चरणों में जनता स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में जाती दिख रही है। इसबीच, गुरुवार को 11 राज्यों और संघ शासित प्रदेश पुडुचेरी की कुल 95 सीटों पर हुए मतदान में मतप्रतिशत बहुत अच्छा रहा है।

वहीं पहले चरण में 11 अप्रैल को 11 सीटों पर भी अच्छा मतदान हुआ। जेटली ने ट्वीट किया है, ''पहले दो चरण के मतदान के बाद लहर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राजग के पक्ष राजग के पक्ष में है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भारत राजनीतिक अस्थिरता के दौर को पीछे छोड़ते हुए अब पूर्ण बहुतम के साथ भाजपा नीत राजग को चुनने की राह पर आगे बढ़ रही है। अब पूर्ण बहुतम के साथ भाजपा नीत राजग को चुनने की राह पर आगे बढ़ रही है। भाजपा की प्रचार समिति के प्रभारी ने कहा, ''पूर्वोत्तर, बंगाल और ओडिशा के चुनाव इसबार सबसे चौंकाने वाले होंगे।

माया-मुलायम पर भाजपा का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मुलायम सिंह यादव एवं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती की करीब ढाई दशक बाद हो रही संयुक्त रैली पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस रैली से साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंधी चल रही है और उनका जनता से गठबंधन बहुत ज्यादा मजबूत है। भाजपा के प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश एवं उत्तर प्रदेश में मोदी के नाम की आंधी चल रही है। मोदी की आंधी से बदहवास लोग खोखले पेड़ों से लिपट रहे हैं। ना सपा में दम बचा है और ना ही बसपा में। हुसैन ने बसपा सुप्रीमो पर कटाक्ष करते हुए कहा, बहनजी हमेशा सम्मान की बात करतीं हैं लेकिन अपने जीवन के सबसे बड़े अपमान को भुला कर सपा नेता के साथ रैली कर रहीं हैं। लोग याद कर रहे हैं कि दोनों दलों के बीच किस तरह का तनाव रहा है। उन्होंने कहा कि सपा एवं बसपा दोनों दल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ। दोनों ही परिवारवादी और भाई भतीजा वादी हैं। इसीलिए दोनों ने मोदी की आंधी से बचने के लिए गठबंधन किया है। उन्होंने कहा कि सपा बसपा भले ही गठबंधन कर लें, लेकिन देश एवं उत्तर प्रदेश की जनता का पक्का गठबंधन मोदी के साथ हो चुका है। दोनों नेताओं के एकसाथ मंच पर आने से यह और भी स्पष्ट हो गया है कि पहले एवं दूसरे चरण में मोदी की आंधी के आगे सपा बसपा गठबंधन की कुछ नहीं चली है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में तो नेताओं को समझ में नहीं आ रहा है कि कौन किस दल के साथ है। पटना में कांग्रेस के उम्मीदवार लखनऊ में आकर सपा के उम्मीदवार का प्रचार कर रहे हैं। उन्हें सपा एवं बसपा में प्रधानमंत्री पद के योग्य नेता दिखाई दे रहे हैं तथा जब वह कांग्रेस के मंच पर जाते हैं तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार लगते हैं।

यूपीए सरकार के दौरान पाक से कोई भी आकर भारत में हमले कर देता था: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने आज कहा कि मौजूदा चुनाव में विकास से भी बढ़ कर राष्ट्रीय सुरक्षा ही मुख्य चुनावी मुद्दा है। शाह ने आज अपने गृहराज्य गुजरात के वलसाड के मालनपाडा और छोटा उदेपुर के बोडेली में दो चुनावी सभाएं संबोधित की। उन्होंने कहा, यह चुनाव केवल विकास की लड़ाई नहीं है। नरेन्द्रभाई (मोदी) ने पहले ही काफी विकास किया हुआ है पर असली मुद्दा यह नहीं है। असली मुद्दा तो राष्ट्रीय सुरक्षा का है। और देश की सुरक्षा मोदी और भाजपा की सरकार के अलावा कोई भी सुनिश्चित नहीं कर सकता। केवल मोदी ही देश का गौरव बढ़ा सकते हैं, अर्थतंत्र को गति दे सकते हैं, गरीबों का कल्याण कर सकते हैं और भारत को विश्व की महाशक्ति बना सकते हैं। शाह ने कांग्रेस पर गुजरात विरोधी होने का आरोप दोहराते हुए कहा कि पंडित नेहरू के समय में सरदार पटेल के साथ इंदिरा गांधी के समय में मोरारजी देसाई के साथ अन्याय हुआ और सोनिया गांधी ने तो मोदी को मौत का सौदागर तक कह दिया था। भाजपा अध्यक्ष ने मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं और गुजरात की नर्मदा परियोजना को पूरा करने जैसी उपलब्धियों की चर्चा की पर कहा कि सबसे बड़ी बात तो यह है कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र में 10 साल के यूपीए के शासन और सोनिया-मनमोहन सरकार के दौरान पाकिस्तान से कोई भी आकर भारत में आतंकी हमले कर देता था। जबकि पुलवामा की घटना के बाद मोदी सरकार की कारवाई से आतंकियों के ठिकाने के परखच्चे उड़ गए और पाकिस्तान में मातम छा गया। हालांकि शाह ने व्यंग्य किया कि जब पूरा देश खुश तथा तब पाकिस्तान जैसा मातम राहुल गांधी की कांग्रेस के कार्यालय में भी छाया हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष भले ही आतंकियों के साथ इलू-इलू करें पर भाजपा ईंट का जबाव पत्थर से देगी। राहुल गांधी, ओमर अब्दुल्ला के कश्मीर में दो प्रधानमंत्री के बयान पर भी कुछ नहीं कहते हैं पर भाजपा किसी कीमत पर कश्मीर को भारत से अलग नहीं होने देगी। लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत मिलने पर धारा 370 को हटा दिया जाएगा। शाह ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की चर्चा करते हुए कहा कि आतंकी बन कर बम धमाके करने वाले घुसपैठियों को भाजपा देश से निकाल कर रहेगी। कांग्रेस और अन्य विरोधी दल किसलिए उनका पक्ष ले रहे हैं। तुष्टिकरण की राजनीति के तहत उनके मानवाधिकार की बात की जा रही है। शाह ने कहा कि वलसाड 246 वां लोकसभा क्षेत्र है जहां वह चुनावी दौरा कर रहे हैं और उन्हें

साफ लगता है कि देश के लोगों ने तय कर लिया है दोबारा मोदी को प्रधानमंत्री बनाएंगे।

संपादकीय

दूसरे चरण में बंधी उम्मीद

आम चुनाव के लिए दूसरे चरण के मतदान का रुझान भी लगभग वही रहा, जो पहले चरण का था। लगभग वही उत्साह और वही बाधाएं, जो पहले चरण में थीं। पहले चरण के मुकाबले दूसरे चरण के मतदान का भूगोल काफी विस्तृत था। कश्मीर के श्रीनगर में भी मतदान था और तमिलनाडु में भी। दूसरे शब्दों में, इसे इस तरह भी कह सकते हैं कि कश्मीर से कन्या कुमारी तक 11 राज्यों में लोकसभा की 95 सीटों के लिए मोटे तौर पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। पश्चिम में अगर लोकसभा की दस सीटों के लिए मतदान हुआ, तो सुदूर पूर्वोत्तर में मणिपुर की एक सीट के लिए भी। सिर्फ इसका भूगोल ही व्यापक नहीं था, स्थितियां भी भिन्न-भिन्न थीं। ऐसे क्षेत्र में भी मतदान हुआ, जहां आस-पास चंद घंटे पहले ही बर्फबारी हुई थी और ऐसे इलाके में भी मतदान हुआ, जो कुछ समय पहले ही आंधी-तूफान और बरसात से जूझ रहे थे। एक तरफ वे किसान भी बड़ी संख्या में मतदान के लिए आए, जिनकी फसलों को इस मौसम ने नुकसान पहुंचाया, दूसरी तरफ विदर्भ और मराठवाड़ा के उस क्षेत्र में भी किसानों ने भारी तादाद में वोट डाले, जहां पिछले मौसम में पर्याप्त बारिश नहीं हुई और उनके खेत अभी भी भयंकर सूखे से जूझ रहे हैं। भारी मतदान वाले इलाकों में छत्तीसगढ़ का वह कांकेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भी है, जहां माओवादी आतंक का खतरा हरदम मंडराता रहता है। इनमें से हर जगह मतदाता इस उम्मीद के साथ मतदान केंद्रों पर उमड़े कि उनका वोट यह सूरत बदल सकता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें, तो यह शायद चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण चरण था। लोकसभा की जिन 95 सीटों के लिए मतदान हुआ, उनमें से 65 सीटें पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने जीती थीं। यानी अगर सत्ताधारी पार्टी को सत्ता में बने रहना है, तो उसे कम से कम पिछली बार के प्रदर्शन को दोहराना होगा, जबकि विपक्षी दल अगर उसे सत्ता से हटाना चाहते हैं, तो उन्हें इस दौर में ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को शिकस्त देनी होगी। हालांकि आम चुनाव की पूरी लड़ाई को देखें, तो अभी बहुत कुछ शेष है। आगे भी कुछ दौर ऐसे आएंगे, जहां सत्ता के लिए होने वाली टक्कर और कठिन हो सकती है। टक्कर कितनी कड़ी थी, इसका एक अंदाज इससे भी लगाया जा सकता है कि सभी राजनीतिक दलों ने अपने सारे घोड़े खोल दिए थे। प्रचार और आक्षेप जितने निचले स्तर पर पहुंचे, शायद इसके पहले के किसी चुनाव में नहीं पहुंचे थे। उम्मीदवारों और उनके लोगों के पास से जितनी नकदी इस दौर में जब्त हुई, उतनी पिछले किसी चुनाव में नहीं हुई थी। कड़ी चुनावी टक्कर के साथ ही गलत गतिविधियों का बढ़ना एक बुरी खबर है। संतोष यही है कि इस दौरान चुनाव आयोग ने अच्छी भूमिका निभाई और सख्त फैसले किए। बड़बोले और बिगड़े बोल बोलने वाले नेताओं के प्रचार करने पर पाबंदी लगाना ऐसा ही फैसला था। भारी मात्रा में नकदी की बरामदगी के बाद वेल्लोर के चुनाव को रद्द करना आयोग का एक और सख्त फैसला है। आयोग के इन फैसलों का असर कहीं न कहीं आने वाले मतदान के चरणों में दिखाई देगा। हालांकि हमारे नेता और राजनीतिक दल रातोंरात सुधर जाएंगे, इसकी उम्मीद नहीं बांधी जा सकती, लेकिन चुनाव आयोग ने संदेश दे दिया है कि अगर गड़बड़ी हुई, तो वह हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगा।

ट्वीट

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है- हिंदी पट्टी में बच्चा बच्चा राजनीति में दिलचस्पी रखता है। फिर भी हिंदी भाषा में ही सबसे कम राजनीतिक उपन्यास लिखे गए हैं। जबकि हिंदी का अधिकांश लेखक खुद को पॉलिटिकल मानता है।

प्रभात रंजन, लेखक

अफवाहों का उफान, जवाबदेही का प्रश्न

एस. वाई. कुरैशी

झूठी खबर यानी फेक न्यूज को कॉलिंस डिक्शनरी द्वारा वर्ष 2017 के लिए आधिकारिक शब्द घोषित किया गया है। हालांकि शब्द 'रयूमर मोंगरिंग' (अफवाह फैलाना) उतना ही पुराना है, जितना खुद इतिहास लेकिन जब से डिजिटल तकनीक का विस्फोट हुआ है तब से झूठी खबरों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घटनाओं को प्रभावित किया है। अपने देश की बात करें तो 'क्विंट वैकर' के अनुसार 2015 के बाद 92 व्यक्ति झूठी खबरों की वजह से मारे जा चुके हैं और यह गिनती बढ़ती जा रही है। नवंबर 2018 में बीबीसी द्वारा करवाया गया 'ड्यूटी, आईडेंटिटी, क्रेडिबिलिटी: फेक न्यूज एंड ऑर्डिनरी सिटीजन इन इंडिया' नामक अध्ययन झूठी खबरों के गुणसूत्र तक पहुंचा है। एक हफ्ते के दौरान तीन देशों यानी भारत, नाइजीरिया और कीनिया में 80 लोगों से साक्षात्कार किया गया, जिसमें मीडिया संबंधी व्यवहार का विश्लेषण किया गया कि ये लोग अपने स्मार्ट फोन का इस्तेमाल फेसबुक और व्हाट्सएप सूचना को साझा करने के लिए किस तरह करते हैं। अध्ययन में हिस्सा लेने वालों ने सूचना को आगे साझा करने से पहले उसके मूल स्रोत अथवा सच्चाई को जानने की कोशिश करने में शायद ही कोई प्रयास किया है। प्राप्त संदेशों की सत्यता पर यकीन करने के पीछे मानसिकता पाई गई कि या तो वे स्वयं किसी एक पक्ष की तरफ पहले से ही झुकाव रखते हैं या फिर दोस्तों-सबंधियों द्वारा भेजे संदेशों को विश्वसनीय मान बैठने की प्रवृत्ति झूठ को आगे फैलाने में मददगार सिद्ध होती है। अध्ययन में शामिल एक व्यक्ति के अनुसार, 'मेरे दोस्त ने यह संदेश मुझे भेजा है। वह क्योंकर ऐसा कुछ शेयर करेगा जो झूठा है?' भारत में ट्विटर का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि दक्षिणपंथ की तरफ झुकाव रखने वाली खबरें वामपंथ हामियों की बनिस्पत ज्यादा तेजी से फैलती हैं। इसके पीछे सीधा कारण है कि दक्षिणपंथी विचारधारा के पास कहीं ज्यादा सुसंगठित व्हाट सएप ग्रुप हैं और आगे सैकड़ों-हजारों लोग इनसे जुड़े होने की वजह से संदेशों की पहुंच करोड़ों लोगों तक हो जाती है। ऐसे में तथ्य की सत्यापना लगभग असंभव हो जाती है। आखिरकार जब किसी के इनबॉक्स में रोज सैकड़ों की तादाद में संदेश आते हैं तो क्या वह यह जांच करने की जहमत उठाएगा कि इनमें कौन-सा सही है और कितना है? अध्ययन कुछ उपाय भी सुझाता है। यह सभी संबंधित पक्षों यानी एप्लीकेशन मंच (व्हाट्सएप इत्यादि), मीडिया संगठन, सरकार और सिविल सोसायटी से आह्वान करता है कि ये सब झूठी खबरों को रोकने में मिलकर काम करें। 21वीं सदी के संचार चैनलों की वजह से इनका फैलाव तेजी से कई गुणा बढ़ गया है। रिपोर्ट में एक बड़ा महत्वपूर्ण सुझाव यह है कि खोजी पत्रकार जांच करें कि झूठी खबरों को गढ़ने और फैलाने के पीछे क्या कोई संगठित तंत्र है। इतिहास की सबसे बड़ी चुनावी घटना यानी भारत में लोकसभा चुनाव के दौरान कोई हैरानी नहीं कि सोशल मीडिया पर झूठी खबरें और चैनलों पर पेड न्यूज की भरमार है-जिसका नतीजा अन्यथा तबाहकुन है। पैसे की ताकत मतदाता को प्रभावित करने के लिए झूठी और पैसे देकर बनाई खबरों से खुलकर अपना खेल दिखा रही है। बालाकोट हवाई कार्रवाई के बाद वाले समय के बारे में फेसबुक के भारतीय संस्करण के मुखिया तुषार बारोट बताते हैं कि किस तरह उनकी इकाई झूठी खबरों को हटाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया कि 'इस तरह का माहौल इससे पहले कभी नहीं देखा था।' बताया गया है कि फेसबुक रोजाना उन लाखों भारतीय अकांउट्स को हटा रहा है जो झूठी खबरें फैलाने के काम में लगे हैं। चुनाव आयोग ने भी 11 मार्च को आयोजित प्रेस वार्ता में अनेकानेक उपायों की घोषणा की है। मतदान से 48 घंटे पहले 'पूर्ण शांति' वाला नियम सोशल मीडिया पर भी लागू किया जाना चाहिए। राजनीतिक विज्ञापनों के लिए बनाए गए नियम सोशल मीडिया पर ठीक उसी तरह अहद किए जाने चाहिए जैसे कि न्यूज मीडिया पर देते वक्त लागू होते हैं। ऐसा नियम बनाया जाए कि गूगल, व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और वी-चैट इत्यादि मंचों पर केवल पूर्व-प्रमाणित विज्ञापन ही चलें। इसके लिए निगरानी कमेटी बनाई जाए, जिसके सदस्य सोशल मीडिया विशेषज्ञ हों। 'द इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' ने एक स्वैच्छिक आचार संहिता बनायी है जो 20 मार्च से प्रभावी हो चुकी है। इसमें निष्पक्ष चुनाव करवाने में सोशल मीडिया कंपनियों की प्रतिबद्धता की जरूरत को रेखांकित किया गया है। जनप्रतिनिधि कानून 1951 रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट (आरपीए) की धारा 126 के मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियां मतदान की तारीख से 48 घंटे पहले 'मौन-काल' और चुनाव आयोग के 'वैध कानूनी नियम' लागू करेंगी, जिसके तहत चुनाव आयोग से सूचना मिलने के तीन घंटे के भीतर आपत्तिजनक सामग्री को हटा दिया जाएगा। सिर्फ इस कार्य हेतु एक 'अति-वरीयता सूचना-शिकायत तंत्र' विकसित किया जा रहा है।

व्हाट्सएप विगत में पहले ही अनेक उपाय लागू कर चुका है, मसलन फारवर्ड किए गए संदेश को टैग करना ताकि गड़बड़ी करने वालों की शिनाख्त हो सके। 'व्हाट्सएप टिपलाइन' नामक एक नई सुविधा ने विशेष नंबर जारी किया है जहां उपभोक्ता खबर की सत्यता की जांच के लिए सूचना भेज सकता है। फेसबुक और ट्विटर ने भी भरोसा दिलाया है कि वे भी जल्द ही चुनावी विज्ञापनों की ऑनलाइन लाइब्रेरी अलग से बनाएंगे। गूगल ने घोषणा की है कि उसने भी 'विज्ञापन पारदर्शिता रिपोर्ट' नामक योजना बनाई है। पर स्थिति पूरी तरह से साफ नहीं लग रही। 'झूठी खबर' किसे कहेंगे, इसकी परिभाषा इसमें स्पष्ट नहीं हैं। अलबत्ता यह सोशल मीडिया कंपनियों की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जिसमें वे 'अपने मंच (एप्लीकेशन) के दुरुपयोग-रोधी उपायों पर नवीनतम स्थिति से अवगत करवाते रहेंगे' लेकिन समस्या की विकरालता उनकी इस प्रतिबद्धता से कहीं ज्यादा विशाल है। 21वीं सदी में झूठी खबरें न केवल चुनाव से जुड़ी समस्या है बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दा भी है। यह अतिवादी सोच फैलाने का एक स्रोत बन गया है और असामाजिक तत्वों और आतंकी सोच वालों के लिए तो वरदान जैसा है क्योंकि अब उनके पास एक वैध मंच है। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण विवेकशील निर्णय यह होगा कि वे लगातार बढ़ती इस सामाजिक बुराई को नाथने के उपाय सुनिश्चित करें। शुचितापूर्ण आचार संहिता की कड़ी पालना को नजरअंदाज न किया जाए या इसे अभिव्यक्ति के अधिकार का बहाना लेकर हल्के में लेना ठीक नहीं क्योंकि सूचना के दुरुपयोग से नागरिकों के बीच नफरत फैलाने और ध्रुवीकरण किए जाने से बचाने के लिए 'माकूल प्रतिबंध' लगाने एकदम जायज हैं। जब तकनीक तरक्की करती है तो इसको इस्तेमाल करने की जिम्मेवारी भी उतनी ही बढ़ जाती है। संदेश की सामग्री नीतिगत, तथ्यपूर्ण और वैध होनी चाहिए। संदेश नफरत फैलाने वाला न हो। नागरिकों की भी यह निजी जिम्मेवारी बनती है कि वे संदेश को आगे साझा करने से पहले इसकी सत्यता पर विचार करें। उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि अगर सुविधा मुफ्त में मिल रही है तो वे खुद भी एक वस्तु की तरह हैं।

लेखक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

ज्ञान गंगा

दुनिया

जग्गी वासुदेव/ यह दुनिया सिर्फ एक ग्रह नहीं है। दुनिया का अर्थ है, इसके लोग। अगर आप वास्तव में शांति के लिए चिंतित हैं, तो बदलाव की जरूरत व्यक्तिगत स्तर पर है। शांत लोग एक शांत विश्व का निर्माण करते हैं तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में हमें जरूरत है शांति की संस्कृति की- कैसे लोग अपने शरीर को, अपने मन को, और साथ ही अपनी भावनाओं और ऊर्जाओं को एक शांतिमय अवस्था में बनाए रख सकते हैं! हमारी संस्कृति में, कुछ पीढ़ियों पहले, हर व्यक्ति के जीवन में कुछ सरल प्रक्रियाएं होती थीं जो उनकी आंतरिक खुशहाली का ख्याल रखती थीं। दुर्भाग्यवश, आज अगर आप एक शब्द-योग-का उच्चारण करते हैं तो लोगों को बस एक ही ख्याल आता है कि आप को अपने शरीर को तोड़-मरोड़ कर किसी असंभव सी लगने वाले मुद्रा में लाना है। नहीं। योग, एक खास स्तर पर अपने अंदर सही ढंग की रासायनिक स्थिति बनाने का विज्ञान है। अपने अंदर एक ऊर्जावान, संतुलित तथा आनंदपूर्ण परिस्थिति बनाने के लिए हमारी संस्कृति में गहन तकनीकें हैं। तो हमें करना बस इतना है कि इन्हें सीखें और इन्हें सीखने सीखने और अमल में लाने की चाह हमारे भीतर हमेशा बनी रहनी चाहिए। हर एक विचार और भावना के सामानांतर हमारे शरीर में एक रासायनिक प्रक्रिया होती है। कह सकते हैं कि अगर आप शांत हैं तो आप के शरीर के अंदर रासायनिक अवस्था एक खास तरह की होगी, और अगर आप वैसी रासायनिक स्थिति अपने अंदर बना सकें तो आप स्वाभाविक रूप से शांत रहेंगे। सही प्रकार के अभ्यास कर के आप अपनी अंदरूनी रासायनिक अवस्था में परिवर्तन ला सकते हैं, और इसको उस स्तर पर ला सकते हैं कि बाहरी परिस्थिति चाहे जैसी हो, आप हमेशा शांत रहेंगे। कहना न होगा कि शांति और आनंद इस बात की गारंटी है कि आप अप्रिय काम नहीं करेंगे। वही काम करेंगे जो आपको प्रिय हैं, और पुरसुकून अहसास कराते हैं। ऐसा हो भी क्यों न? अगर आप अपने अंदर सुखद अवस्था में हैं तो आप दूसरों के साथ अप्रिय व्यवहार क्यों करेंगे? हमारी संस्कृति में ऊर्जावान, संतुलित तथा आनंदपूर्ण आंतरिक परिस्थिति का निर्माण करने की गहन तकनीकें हैं। हमें बस इन्हें सीखने और अमल में लाने की इच्छा चाहिए। जैसे कि यदि कोई ऐसा काम है, जिसे करने के लिए हमारे देश के लोगों को प्रतिबद्ध होना चाहिए, तो वह है पूरी दुनिया के आंतरिक बदलाव का रास्ता बनाना। इसी से हम दुनिया के आंतरिक के साथ ही कायाकल्प का रास्ता तय कर सकेंगे।

चैनल चयन एक छलावा

मुद्दा /संजय कु. बालौदिया

चैनलों के प्रसारण को बेहतर बनाने और एनालॉग टीवी की खामियों को दूर करने के लिए डिजिटलीकरण किया गया। डिजिटलीकरण के बाद भी प्रसारण कंपनियां उपभोक्ताओं को चैनल चयन करने का अधिकार नहीं दे रही थीं। इसलिए ट्राई एक नया विनियामक ढांचा लाई। इस ढांचे के पक्ष में और उपभोक्ताओं को इसे अपनाने के लिए तर्क दिया गया कि उपभोक्ता को चैनलों के चयन की स्वतंत्रता होगी कि क्या देखना चाहता है, और केवल उसके लिए ही भुगतान करेगा।साथ ही, उपभोक्ता चैनलों को एलाकार्ट के आधार पर चुन पाएगा। लेकिन ट्राई की 1 फरवरी, 2019 की तय समय सीमा पर जब काफी उपभोक्ताओं ने चैनलों का चयन नहीं किया तो ट्राई ने कहा कि ''जनहित के मद्देनजर प्राधिकरण सभी डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफार्म ऑपरेटर (डीपीओ) को निर्देश देता है कि जो ग्राहक अपने चैनल का चुनाव नहीं करते हैं, उन्हें ''बेस्ट फिट प्लान' में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।' ग्राहक की पुरानी योजना तब तक जारी रहेगी जब तक कि वह अपने चैनलों का चयन नहीं करता या बेस्ट फिट प्लान में स्थानांतरित नहीं हो जाता है। बेस्ट फिट प्लान उपभोक्ताओं के इस्तेमाल संबंधी रु झानों, चैनलों की लोकप्रियता और बोली जाने वाली भाषा के आधार पर तैयार किया जाएगा।' दरअसल, उपभोक्ता को झूठमूठ का दिया गया चयन का अधिकार भी ''बेस्ट फिट प्लान' के जरिए ट्राई ने छीन लिया। जब ऑपरेटर्स द्वारा बेस्ट फिट प्लान दिया जाएगा तो चयन का अधिकार किस बात का? बढ़ते बाजारवाद के दौर में उपभोक्ता संस्कृति तेजी से बढ़ रही है जिसमें उपभोक्ता को अधिकार देने की बात तो की जाती है, लेकिन असल में उपभोक्ताओं को अधिकार दिए नहीं जाते। इस बात को ऐसे समझिए कि आपको ट्राई ने चयन का अधिकार दिया लेकिन हकीकत में क्या उपभोक्ता को चयन के अधिकार से कोई लाभ हुआ? उसका खर्च घटने के बजाय बढ़ गया और चैनलों की संख्या बढ़ने की बजाय घट गई! चैनलों के प्रसारण की गुणवत्ता में भी कोई सुधार देखने को नहीं मिलता है। उपभोक्ता को 100 फ्री टू एयर चैनल देखने के लिए तकरीबन 153 रु पये का भुगतान करना पड़ेगा। ट्राई के अनुसार, कुल 864 चैनल हैं इनमें 536 फ्री टू एयर चैनल हैं, और 328 पेड चैनल्स हैं। ऐसी स्थिति में तो अधिक फ्री टू एयर चैनलों को देखने के लिए भी अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा जबकि अभी तक उपभोक्ता 270 देकर लगभग 500 चैनल देख सकता था। इन 500 चैनल्स में फ्री टू एयर और पेड चैनल दोनों शामिल होते थे। पेड चैनल के लिए चैनल शुल्क और अतिरिक्त नेटवर्क क्षमता शुल्क भी देना पड़ेगा। चयन के अधिकार का मतलब बाजार की सेवाओं में प्रतिस्पर्धा हो ताकि उपभोक्ता को कम कीमत में बेहतर सेवा मिले। लेकिन ट्राई की नई व्यवस्था में उपभोक्ता कुछ निश्चित चैनलों तक सीमित हो गया है। उपभोक्ता को पसंद के चैनल देखने के लिए अलग-अलग पैक लेना होगा जिससे प्रसारक कंपनियों को फायदा होगा न कि उपभोक्ता को। एक बात और, इस नये ढांचे में एक बड़ा तबका सिर्फ खास तरह की सामग्री ही देख पाएगा। भारत जैसा देश जोकि विविधता के लिए जाना जाता है, वहां इस ढांचे से उपभोक्ताओं के टीवी चैनल देखने की विविधता भी खत्म होगी। उदाहरण के तौर पर मान लीजिए कि एक उपभोक्ता कुछ न्यूज चैनल चुनेगा। और केबल ऑपरेटर्स या डीटीएच सेवा के पैक्स में भी सभी न्यूज चैनल नहीं होंगे। इस तरह उपभोक्ता दूसरे न्यूज चैनलों की सामग्री से वंचित रह जाएगा। एक नागरिक का अधिकार है कि उसको न्यूज चैनल के माध्यम से सूचना व जानकारी मिले। लेकिन इस व्यवस्था से एक उपभोक्ता/नागरिक कुछ चैनलों की खबरों/जानकारियों तक सीमित रहेगा। इसी तरह से मनोरंजन, खेल, फिल्मों के चयन की विविधता भी सीमित हो जाएगी। चैनल के डिजिटलीकरण से एक नये तरह का विभाजन होगा क्योंकि अब तक केबल ऑपरेटरों को एक निश्चित शुल्क देकर उपभोक्ता लगभग 500 चैनल देख सकता था, लेकिन अब जो उपभोक्ता ज्यादा खर्च नहीं करेगा वह सीमित चैनल ही देखेगा। ट्राई ने 2017 में कहा कि इंटरनेट सेवा देने वाली कंपनी इंटरनेट के उपयोग को लेकर भेदभाव नहीं कर सकती हैं। जब इंटरनेट का एक पैक लेकर हम सभी वेबसाइटों को देख सकते हैं तो एक निश्चित शुल्क देकर हम सभी चैनलों को क्यों नहीं देख सकते? ट्राई के ये दो तरह के सिद्धांत भला किस तरह के हैं, जिसमें एक सिद्धांत उपभोक्ताओं के पक्ष में हैं तो दूसरा प्रसारकों के पक्ष में। नये ढांचे से उपभोक्ताओं का बजट ही नहीं बढ़ा है, बल्कि उससे कई सुविधा छीन ली गई हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

रिलायंस रिटेल का चौथी तिमाही कर पूर्व लाभ 77 प्रतिशत बढ़कर 1,923 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

रिलायंस रिटेल का कर पूर्व लाभ जनवरी-मार्च 2019 तिमाही में 77.07 प्रतिशत बढ़कर 1,923 करोड़ रुपए रहा है। रिलायंस रिटेल ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले की इसी तिमाही में उसका कर, ब्याज भुगतान और मूल्यह्रास से पहले लाभ 1,086 करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी आय 51.60 प्रतिशत बढ़कर 36,663 करोड़ रुपए रही। वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में उसकी आमदनी 24,183 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष (2018-19) के लिए कंपनी का कर, ब्याज और अवमूल्यन से पहले लाभ दोगुना से अधिक होकर 6,201 करोड़ रुपए हो गया, जो कि 2017-18 में 2,529 करोड़ रुपए था। वहीं, इस दौरान उसकी आय 88.68 प्रतिशत बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। वर्ष 2017-18 में उसकी आमदनी 69,198 करोड़ रुपए थी। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस रिटेल ने 1,00,000 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य पार कर लिया है, रिलायंस जियो 30 करोड़ से ज्यादा लोगों को सेवाएं दे रही है और हमारे पेट्रोकेमिकल्स कारोबार ने अब तक की सबसे अधिक कमाई की है। आलोच्य तिमाही के दौरान रिलायंस रिटेल ने अपने नेटवर्क में 510 नए स्टोर जोड़े हैं जबकि पूरे वित्त वर्ष में उसके 2,829 नए स्टोर खुले हैं। कुल मिलाकर उसके नेटवर्क में अब 10,415 स्टोर हो गए हैं।

रियल एस्टेट कंपनी ने दी 2.67 लाख रुपए की सब्सिडी, 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रॉपर्टी बेची

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश की नामी रियल एस्टेट कंपनी इन्वेस्टर्स क्लीनिक ने 7 दिन का सेल बजट में प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए पीएमएवाई स्कीम के तहत 2.67 लाख रुपए तक की सब्सिडी का लाभ देने और 500 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री दर्ज करने का दावा किया है। इन्वेस्टर्स क्लीनिक ने अपने मेगा इवेंट प्रॉपर्टी के सबसे सस्ते 7 दिन में 1200 प्रॉपर्टी की बिक्री दर्ज की, जो कुल मिलाकर 10 लाख वर्ग फुट की है। आवासीय और व्यावसायिक दोनों प्रकार की प्रॉपर्टी को मिलाकर इस सेल के तहत कुल 500 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। ये प्रॉपर्टीज नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, यमुना एक्सप्रेस वे, गाजियाबाद, गुरुग्राम और नोएडा एक्सप्रेस वे समेत पूरे एनसीआर में हैं। सबसे अधिक आकर्षण ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे के लिए देखा गया। कंपनी इसकी मुख्य वजह मेट्रो से इन दोनों क्षेत्रों की कनेक्टिविटी का बढना मानती है। इन्वेस्टर्स क्लिनिकल के सीईओ हनी कात्याल ने बताया कि हमने ग्राहकों के लिए अफोर्डेबल रेंज का खास ध्यान रखा। इसलिए 2290 रुपए वर्ग फुट से शुरू प्रॉपर्टी उपलब्ध कराए।

हमारा मुख्य लक्ष्य प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक लोगों को आवासीय और व्यावसायिक प्रॉपर्टी की बड़ी रेंज सबसे कम दाम पर उपलब्ध कराना था। उन्होंने बताया कि 7 दिन का सेल बजट में प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक लोगों को पीएमएवाई स्कीम के तहत 2.67 लाख रुपए तक की सब्सीडी का लाभ दिया गया। तत्काल बुकिंग के लिए सुनिश्चित उपहार, ग्राहकों के हिसाब से भुगतान की योजना और तत्काल लोन के एप्रूवल के साथ भारी छूट भी दी गई।

आयकर विभाग ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों की कर देनदारी के आकलन के नए तरीके का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

आयकर विभाग ने देश में स्थायी परिसर के साथ काम करने वाली डिजिटल कंपनियों समेत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए कर आकलन के नए तौर-तरीके का बृहस्पतिवार को प्रस्ताव दिया। इसके तहत घरेलू बिक्री, कर्मचारियों की संख्या, कंपनी की संपत्ति और उपयोक्ताओं की संख्या आदि जैसे कारकों पर गौर किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की 'प्रॉफिट एट्रिब्यूशन टू परमानेंट इश्टेबलिशमेंट इन इंडिया पर बनी समिति ने प्रस्ताव दिया है कि यदि कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी वैश्विक स्तर पर नुकसान में चल रही हो या वैश्विक मुनाफा दो प्रतिशत से कम हो तब भी ऐसा माना जाएगा कि उसकी भारतीय इकाई को दो प्रतिशत मुनाफा हुआ है और इसी के आधार पर उसका कर का आकलन किया जाए। समिति ने कहा कि इसका लक्ष्य भारत के राजस्व हितों की उन स्थितियों में रक्षा करना है जब किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी की घरेलू इकाई वैश्विक स्तर की तुलना में अधिक मुनाफा अर्जित कर रही हो। समिति ने प्रस्ताव दिया कि घरेलू कर देनदारी का आकलन करने के लिये किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी की बिक्री, कर्मचारियों की संख्या और देश में उसकी संपत्ति जैसे कारकों पर गौर किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि कंपनी डिजिटल क्षेत्र की हो तो उसमें चौथे कारक 'उपयोक्ताओं की संख्या पर भी गौर किया जाना चाहिए। सीबीडीटी ने इस रिपोर्ट पर विभिन्न संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर अपने सुझाव और टिप्पणियां देने को कहा है।

अमेरिका में भारतीय दवा कंपनियों पर मंडराया संकट, मिलीभगत से दवाई बेचना पड़ रहा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अमेरिका में काम कर रहीं कई भारतीय कंपनियों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इस संकट की वजह है विभिन्न प्रकार के केस जोकि इन कंपनियों के खिलाफ अदालत में चल रहे हैं। इन केसों में क्लास एक्शन सूट्स, एंटी-ट्रस्ट सूट्स और विसल ब्लोअर सूट्स जैसे केस शामिल हैं। इन केसों के कारण इन फार्मा कंपनियों में निवेश पर जोखिम बढने का डर भी पैदा होने लगा है। जानकारी के अनुसार, अमेरिका में दवाइयों के कथित व्यावसायिक कीमतों को लेकर 18 जेनरिक फार्मा कंपनियों पर एंटी-ट्रस्ट मुकदमा चल रहा है। इन 18 में 5 भारतीय हैं जिनके नाम हैं अरबिंदो फार्मा, डॉक्टर रेड्डी लैब, ऐम्क्योर, ग्लेनमार्क और जायडस। अमेरिका के अब तक के इतिहास में कंपनियों की मिलीभगत का यह अब तक का सबसे बड़ा केस है। दरअसल अमेरिका में दवा कीमतों के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई एक शहर तक नहीं बल्कि 50 राज्यों तक फैल चुकी है। इस लड़ाई के कारण भारतीय फार्मा कंपनियों के ऑर्डर व सेल पर भी असर पड़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल मिलीभगत से मनमर्जी की कीमतों पर दवा बेचना अपराध है और कई केसों में कंपनियों को भारी भरकम जुर्माना अदा करना पड़ा है। अगर ऐसे ही केस विदेश में चलते रहे तो भारतीय दवा कंपनियों को निवेशक ढूंढना मुश्किल हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सोना 305 रुपए, चांदी 255 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में ग्राहकी आने से शुक्रवार को सोना 305 रुपए चमककर 38,500 रुपए प्रति दस ग्राम पर तथा चांदी 255 रुपए की बढ़त में एक सप्ताह से ज्यादा के उच्चतम स्तर 38,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। गुड फ्राइडे के मौके पर विदेशों में अधिकतर प्रमुख सररफा बाजार बंद रहे। लंदन और न्यूयॉर्सेक मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को सोने-चांदी में हल्की मजबूती देखी गई थी। कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय स्तर पर आज पीली धातु की ग्राहकी मजबूत रहने से इसके दाम बढ़ गए। वैवाहिक मौसम को देखते हुए आने वाले समय में भी इसमें तेजी जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आने वाले उतार-चढ़ाव पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

इंडिगो के विमानों की सुरक्षा जांच कर रहा डीजीसीए

मुंबई। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) अभी किफायती विमानन सेवाएं देने वाली कंपनी इंडिगो के विमानों की सुरक्षा जांच कर रहा है।

इंडिगो का परिचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसे इस सिलसिले में कुछ कारण बताओ नोटिस भी मिले हैं जिनका जवाब पहले ही दिया जा चुका है। इंडिगो ने शेयर बाजार से कहा, ''अभी डीजीसीए हमारे विमानों की जांच कर रहा है। हमें इस बारे में कुछ कारण बताओ नोटिस मिले हैं और हमने उनका जवाब दे दिया है। कंपनी ने शेयर बाजार द्वारा इस बारे में पूछे जाने पर यह जानकारी दी। पीटीआई ने बुधवार को इस बारे में खबर दी थी कि डीजीसीए इंडिगो के विमानों की जांच कर रहा है।

खाद्य तेल आयात बढने से नुकसान

मुंबई। देश में वनस्पति तेल के बढ़ते आयात ने घरेलू तिलहन के पेराई और रिफाइनिंग उद्योग को अपनी परिचालन क्षमता में ऐतिहासिक स्तर की कटौती करने का दबाव बना दिया है। उद्योग के शीर्ष संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अनुसार मार्च 2019 के दौरान भारत के वनस्पति तेलों (कच्चा पाम तेल या सीपीओ और रिफाइंड, ब्लीच्ड और डिओडोराइज्ड या आरबीडी) के आयात में 26 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई और यह बढ़कर 14.5 लाख टन हो गया है जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 11.5 लाख टन था। फरवरी में भी वनस्पति तेल का आयात 7.4 प्रतिशत उछलकर 12.4 लाख टन हो गया था जबकि पिछले साल इस महीने में यह 11.6 लाख टन था। कमी के कारण भारत की लगभग 60 प्रतिशत मांग मुख्य रूप से मलेशिया, इंडोनेशिया और अर्जेंटीना से आयात के जरिये पूरी की जाती है। इनके आयात में लगातार वृद्धि ने घरेलू तिलहन पेराई और रिफाइनिंग इकाइयों के सामने परेशानी पैदा कर दी है। चूंकि आयातित रिफाइंड तेल घरेलू तेल के उत्पादन की तुलना में सस्ता पड़ता है इसलिए यहां की पैकेजिंग इकाइयां सुरक्षित लाभ मार्जिन के लिए रिफाइंड तेल का आयात करती हैं और इसे पैक करके बेचना पसंद करती हैं। इस कारण घरेलू रिफाइनरी उद्योग ने अपनी परिचालन क्षमता महज 30 प्रतिशत तक सीमित कर दी है। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन (सोपा) के कार्यकारी निदेशक डीएन पाठक ने कहा कि वनस्पति तेलों का आयात बढ़ाना भारतीय रिफाइनरियों और तिलहन किसानों - दोनों के लिए हमेशा चिंता का विषय रहता है। इसलिए इसकी आपूर्ति पर अंकुश जरूरी है। खाद्य तेलों के बढ़ते आयात का घरेलू तिलहन के दामों पर गंभीर असर पड़ा है। हाजिर बाजार में मूंगफली और सरसों /सफेद सरसों के दाम उनके न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से करीब 20 प्रतिशत कम पर चल रहे हैं।

जेट एयरवेज के बड़े विमानों को पट्टे पर लेने के लिए एसबीआई प्रमुख से मिलेंगे लोहानी

मुंबई। एयर इंडिया के चेयरमैन अश्वनी लोहानी शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन रजनीश कुमार से मुलाकात कर सकते हैं। एयर इंडिया उड़ान परिचालन बंद कर चुकी जेट एयरवेज के पांच बड़े विमानों को पट्टे पर लेने की योजना बना रही है। गहराते कर्ज संकट और लगातार घटते राजस्व से जूझ रही जेट एयरवेज ने बुधवार रात से अपनी उड़ानों को अस्थाई तौर पर बंद करने की घोषणा कर दी। जेट एयरवेज के पास 16 बड़े विमान हैं। इनमें 10 बी 777-300ईआर और छह एयरबस ए330एस विमान हैं। जेट एयरवेज के कर्ज पुनर्गठन कार्यक्रम के तहत स्टेट बैंक के नेतृत्व वाला बैंकों का समूह इन दिनों एयरलाइन को चला रहा है। एयर इंडिया के चेयरमैन ने बुधवार को स्टेट बैंक प्रमुख को पत्र लिखकर जेट एयरवेज के पांच बोइंग 777एस विमानों को पट्टे पर लेने में अपनी रुचि दिखाई है। एयर इंडिया इन विमानों को अपने अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर सेवा में लगाना चाहती है। दोनों के बीच यह बैठक नई दिल्ली में हो सकती है। एयर इंडिया नए अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ान सेवाएं शुरू करना चाहता है। इसके साथ ही उसकी मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानों की संख्या बढ़ाने की भी मंशा है लेकिन उसके पास ऐसा करने के लिए अतिरिक्त विमान नहीं है।

महेंद्रा ग्रुप, फोर्ड लेकर आएंगे मध्यम आकार की एसयूवी

मुम्बई/नई दिल्ली । महेंद्रा ग्रुप और फोर्ड मोटर कम्पनी ने गुरुवार को मध्यम आकार की स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) के विकास के लिए निश्चित समझौता किया। नए करार के बाद दोनों कम्पनियों द्वारा गुरुवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि महेंद्रा और फोर्ड भारत तथा उभरते हुए बाजारों के लिए बेंचमार्क उत्पाद लेकर आएंगे। बयान में कहा गया है, दोनों कम्पनियों के बीच सितम्बर 2017 में ही इस सम्बंध में रणनीतिक करार हुआ था। अब इस सम्बंध में विकास हुअ है। अक्टूबर 2018 में दोनों ने पारवट्रेन शेयरिंग और कनेक्टेड कार सॉल्यूशंस के क्षेत्र में सहमति जताई थी और अब दोनों नई दिशा में अग्रसर हो गए हैं। बयान में कहा गया है कि नई एसयूवी महेंद्रा प्रॉडक्ट प्लेटफार्म और पावरट्रेन खासियत से लैस होगी और इसी कारण यह ड्राइविंग इंजीनियरिंग और कामर्शियल गुणों से परिपूर्ण होगी।

दिल्ली में फिर बढ़ी पेट्रोल की कीमतें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल का दाम एक बार फिर बढ़कर 73 रुपये प्रति लीटर हो गया, जो इस साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पेट्रोल का सबसे ऊंचा भाव है। इससे पहले 29 नवंबर, 2018 को दिल्ली में पेट्रोल का भाव 73.24 रुपये लीटर था। देश के अन्य हिस्सों में भी पेट्रोल का दाम इस साल के ऊंचे स्तर पर चला गया है। कोलकाता में पेट्रोल 75 रुपये लीटर हो गया है। तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल के दाम में सात-आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की। हालांकि डीजल के दाम में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 73 रुपये, 75.02 रुपये, 78.57 रुपये और 75.77 रुपये प्रति लीटर हो गए। हालांकि चारों महानगरों में डीजल के दाम पूर्ववत क्रमश- 66.31 रुपये, 68.05 रुपये, 69.40 रुपये और 70.01 रुपये प्रति लीटर बने रहे। दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल के भाव में सात पैसे, जबकि चेन्नई में आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मई एक्सपायरी कच्चा तेल वायदा अनुबंध में गुरुवार को चार रुपये की कमजोरी के साथ 4,460 रुपये प्रति बैरल पर बंद हुआ। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार आईसीई पर जून डिलीवरी ब्रेंट क्रूड वायदा अनुबंध 0.04 फीसदी की कमजोरी के साथ 71.95 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि न्यूयॉर्क मर्कें टाइल इंडेक्स (नायमैक्स) पर डब्ल्यूटीआई का मई अनुबंध 0.33 फीसदी तेजी के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार में गुड फ्राईडे का अवकाश होने के कारण शुक्रवार को कारोबार बंद रहा।

आईआसीटीसी यात्रियों के लिए लाया यह खास ऑफर, अब बिना पैसे बुक कर सकते हैं रेल टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अगर आप ट्रेन टिकट बुक करना चाहते हैं और आपके पास पैसा नहीं तो हम आपको एक ऐसी ऑफर के बारे में बताएंगे जिससे आपकी टिकट बुक हो जाएगी और आपको इसके पैसे 14 दिनों को अंदर जमा करवाने होंगे। इसमें अर्थशास्त्र प्राइवेट लिमिटेड का पायलट प्रोजेक्ट ई-पे लेटर आपकी मदद करता है। इस प्रोजेक्ट को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरशन (आईआसीटीसी) ने पेश किया है। कैसे कर सकते हैं इसका इस्तेमाल आइए आपको बताते हैं। इस स्कीम के तहत कोई भी ग्राहक आईआसीटीसी की वेबसाइट से बिना कोई पेमेंट किए ऑनलाइन टिकट बुकिंग कर सकता है और उसका पेमेंट 14 दिनों बाद कर सकता है। इस सेवा का लाभ लेने वाले कस्टमर्स को पेमेंट करते वक्त 3.5 पर्सेंट सर्विस चार्ज देना होगा। हालांकि, अगर आप 14 दिन के भीतर पेमेंट कर देते हैं तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना होगा। इसके अलावा अगर आप समय पर लेनदेन करते हैं, तो आपकी क्रेडिट लिमिट भी बढ़ सकती है। इस सुविधा का लाभ आप अपने आईआसीटीसी अकाउंट से उठा सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आपके द्वारा ली गई टिकट की कीमत आपके क्रेडिट सीमा के अंदर होनी चाहिए और सही समय पर पेमेंट होना चाहिए। अगर आप पेमेंट में देरी करते हैं तो क्रेडिट लेस हो जाएंगे जिसके बाद आप इस सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते हैं। सबसे पहले अपने आईआसीटीसी अकाउंट में लॉगिन करें या फिर अकाउंट नहीं है तो अकाउंट बनाएं। इसके बाद जहां की टिकट आपको बुक करनी है, उसकी डिटेल भरें और अपनी सुविधा के अनुसार ट्रेन का सिलेक्शन करें फिर बुक नाउ ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद नया पेज खुलेगा जिसमें आपको पैसेंजर की डिटेल और कैप्चा कोड भरने का ऑप्शन आएगा। इसे भरने के बाद नेक्सट बटन पर क्लिक करें। इस पर क्लिक करने के बाद आपके सामने नया पेज खुलेगा जिसमें आपको पेमेंट की डिटेल भरनी होगी। इसमें आप क्रेडिट, डेबिट, आईआसीटीसी , नेट बैंकिंग से पेमेंट कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको का ऑप्शन मिलेगा आप इस पर क्लिक करें। क्लिक करने के बाद आपको इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर आपको रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए आप पर जाकर भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन करने के बाद आपके सामने बिल पेमेंट का ऑप्शन आएगा। इसको चुनने के बाद आपको बिना पेमेंट किए ट्रेन टिकट मिल जाएगा।

टिकट बुक करने के 14 दिन बाद भी अगर आप पेमेंट नहीं करते हैं तो आपसे टिकट के प्राइस पर ब्याज लिया जाएगा और अगर आप इसे भी देने में देरी करते हैं तो आपका अकाउंट बंद कर दिया जाएगा।

जल्द बदल जाएगा टाटा की इस कंपनी का नाम, मुख्यालय बदलने की भी मंजूरी

कोलकाता । टाटा स्टील की सहयोगी कंपनी टाटा स्पांज आयरन लिमिटेड ने अपना पंजीकृत कार्यालय क्योंझर (ओडिशा) से कोलकाता लाने का फैसला किया है. इससे माना जा रहा है कि टाटा ग्रुप ने नैनो कार परियोजना की भूमि को लेकर राज्य के प्रति तल्खी भुला दी है. कंपनी का नाम टाटा स्टील लांग प्रोडक्टस लिमिटेड करने का भी प्रस्ताव है. उद्योग क्षेत्र के जानकारा लोकसभा चुनावों के दौरान इस तरह की घोषणा को ममता बनर्जी सरकार की एक कामयाबी के रूप में देख रहे हैं । मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कुछ साल से अपने राज्य को निवेश के लिए एक अच्छे स्थान के रूप में पेश करने में लगी हैं. टाटा स्पांज आयरन ने शेयर बाजार को बताया कि उसके निदेशक मंडल ने कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस को पश्चिम बंगाल में लाने को मंजूरी दे दी है. यह निर्णय कंपनी के शेयरधारकों और नियामकों की स्वीकृति के बाद लागू किया जाएगा. निदेशक मंडल ने कंपनी का नाम बदलकर टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स लिमिटेड करने का प्रस्ताव भी पास किया है. कंपनी की 36वीं वार्षिक आम बैठक क्योंझर में 15 जुलाई को होनी है. इसके पास इस समय सालाना 390,000 टन स्पांज लोहा तैयार करने की क्षमता है. इसके अलावा इसने 26 मेगावाट क्षेमता का एक बिजलीघर लगा रखा है जो कारखाने में बेकार जाने वाली ऊष्मा के इस्तेमाल से चलाया जाता है. कंपनी ने हाल ही में कोलकाता की उषा मार्टिन कंपनी के स्टील कारोबार का अधिग्रहण किया था. इसमें जमशेदपुर का उसका कारखाना, कुछ जमीन और निजी इस्तेमाल के लिए लगाया गया उसका बिजलीघर भी शामिल है. यह सौदा 4090 करोड़ रुपये में हुआ था. टाटा स्पांज आयरन ने 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्त वर्ष में 1,049.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. टाटा स्टील ने 1991 में आईपीकोल का पूरा अधिग्रहण किया था ।

जेट संकटः यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, महंगा किराया करेगा जेब खाली

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

4 साल से नकदी के संकट से जूझ रही जेट एयरवेज ने बुधवार को आधी रात से अस्थायी तौर पर विमानों का परिचालन बंद करने की घोषणा कर दी है। बैंकों द्वारा 400 करोड़ रुपए का एमरजैंसी फंड देने से इंकार करने के बाद कंपनी ने कहा कि सभी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। जेट और बोइंग एयरवेज में मची उथल-पुथल से ट्रैवल और पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। चुनाव खत्म होने के बाद यात्रियों की संख्या में और भारी गिरावट देखने को मिलेगी। इन दोनों एयरलाइंस के संकट से देश-विदेश में छुट्टियां मनाने के लिए हॉलीडेज प्लान भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। इस वर्ष गर्मियों में उन हजारों परिवारों की छुट्टियों की योजनाएं इस संकट से खटाई में पडने की उम्मीद है। आम तौर पर हॉलीडेज प्लान करने वालों को कभी-कभार विमान में सीट नहीं मिलती या फिर किराए बहुत अधिक होते हैं। जब बुकिंग हो जाती है तो है उड़ानों में विलंब हो जाता है जिससे टिकट रद्द करवानी पड़ती है। जेट एयरवेज संकट और घरेलू एयरलाइंस द्वारा बोइंग 737 मैक्स-8 के विमानों को जमीन पर खड़ा किए जाने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुम्बई में हवाई अड्डे की रिपेयर का काम चल रहा है जिससे यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इन तीनों कारणों से भारत में बढ़ रहे उड्डयन उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। इससे हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन सैक्टर भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। घरेलू करियर के विमानों की स्थिति में दिसम्बर से अब तक 16 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले वर्ष अक्तूबर तक भारत की मासिक हवाई यात्रियों की संख्या 20 प्रतिशत बढ़ी जो फरवरी में गिरकर 7.42 प्रतिशत रह गई। घरेलू एयरलाइंस में यात्रा करने वालों की संख्या में अक्तूबर में 11.85 मिलियन थी जो फरवरी में 11.35 मिलियन रह गई। विशेषज्ञों का मानना है कि जेट का संकट बढने के साथ ही यात्रियों की संख्या में 2 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। स्टार एयर कन्सल्टिंग के चेयरमैन हर्षवर्धन ने कहा कि देश में चुनाव के चलते अभी यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उनके अनुसार चुनाव खत्म होने के बाद यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आने की संभावना है। हालांकि एयरपोर्ट की मुरम्मत का काम खत्म हो गया है लेकिन सीट की कम क्षमता ने एयरलाइंस को किराए में बढ़ौतरी करने का मौका दिया है। लंबे समय तक भारतीय एयरक्राफ्ट्स कंपनियां इंडिगो और स्पाइसजेट जैसे कम लागत वाले वाहक (एल.सी.सी.) उच्च प्रतिस्पर्धा और आक्रामक क्षमता के अतिरिक्त होने के कारण कृत्रिम रूप से कम दरों पर टिकट बेच रहे थे। इंडिगो, जो कि पायलटों की कमी का सामना कर रही है, योजना के अनुसार फ्लाइट्स क्षमता बढ़ाने में सक्षम नहीं है जिसने सीटों की समग्र उपलब्धता पर अतिरिक्त दबाव डाला है। भारत एक मूल्य संवेदनशील बाजार है जहां किराए में वृद्धि कम हवाई यात्रा से मेल खाती है। लगभग 60 प्रति हवाई यात्री कम लागत पर यात्रा करते हैं। उड्डयन विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय सभी प्रमुख क्षेत्रों में किराए बढ़े हैं, जिससे कुल मांग घट गई है। विदेश मामलों की शोधकर्त्ता वर्षा जोशी कहती हैं कि उन्हें एक सम्मेलन के लिए संयुक्त राज्य अमरीका के टैक्सास की यात्रा करनी थी। उन्होंने एक सप्ताह पहले टिकट दरों की जांच की लेकिन मेजबानों द्वारा सुझाई गई सामान्य दरों की तुलना में वे बहुत अधिक महंगी थीं। मुझे 2 दिनों तक इंतजार करना पड़ा जब तक कि उन्होंने मेरे लिए एक विकल्प पर काम नहीं किया। एक रियल्टर अनुपम कुमार जो हाल ही में एक समारोह में भाग लेने के लिए ।

गुजकेट परीक्षा केन्द्रो पर अनधिकृत प्रवेश वर्जित

परीक्षा केन्द्रों के पास चार या इससे अधिक लोग एकत्र नहीं हो सकते

व्यारा। शुक्रवार आगमी ता.24-04-2019 के दिन गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड, गांधीनगर द्वारा डिग्री इन्जीनियरिंग डिग्री, डिप्लोमा फार्मेशी अभ्यास क्रमों में प्रवेश लेने हेतु एच.एस.सी विज्ञान प्रवाह के ए,बी, एबी, ग्रुप के उम्मीदवारों के लिए गुजरात कामन इंट्रेंस टेस्ट (गुजकेट) की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से 16.00 बजे की बीच व्यारा में आयोजित होने वाली है। जिसमें उम्मीदवारों की पसन्दगी में गुप्त रखने हेतु एवं प्रमाणिकता का स्तर निष्पक्ष बना रहे तथा प्रत्येक परीक्षार्थी के साथ न्याय हो ये अति आवश्यक है। तापी जिला में कायदा एवं व्यव-स्था की परिस्थित कायम रहे इसके लिए अधिक जिला मजिस्ट्रेट बी.बी. वहोनिया ने परीक्षा केन्द्रों से 100 मीटर के घेरे में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है तथा इस क्षेत्र में चार या इससे अधिक व्यक्ति एकत्र नहीं हो सकते है न ही कोई व्यक्ति परीक्षार्थी सहित हथियार मोबाइल फोन, परीक्षा समय दरम्यान परीक्षा केन्द्र के अन्दर न ले जा सकता है नहीं उपयोग कर सकता है न ही लाउड स्पीकर का उपयोग कर सकता है। परीक्षा शुरु होने से 1 घंटे पहले परीक्षा दरम्यान 100 मीटर की त्रिज्या स्थित कोई जेरोक्स, या फैक्स सेंटर चालू नहीं रहेगा। उपरोक्त प्रतिबन्ध परीक्षा केन्द्रों के पास 100 मी. हद तक लागू रहेगा।

यह आदेश परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के लिए फरज पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों नियुक्त अन्य अधिकारियों फरज ना भाग रुपे हथियार रख सकते है, तथा गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षण वोर्ड की गाइड लाइन अनुसार मोबाइल फोन अपने पास रख सकते है। इस आदेश का पालन अनिवार्य है अवज्ञा करने वाला दण्ड का भागी होगा।

विदेशी दारू की 36 बोटल के साथ महिला बूटलेगर गिरफ्तार

सूरत। शुक्रवार सूरत शहर पुलिस कमिश्नर के अठवा पुलिस स्टेशन विस्तार के बारा हजारी मुहल्ले में से ब्रांडेड दारू की 36 बोटल के साथ महिला बुटलेगर की गिरफ्तारी पुलिस ने की है।

अठवा पुलिस सूचना के आधार पर नानपुरा बारा हजारी मुहल्ले के घर नं. 1/2207 में छापा मार कर आरोपी महिला बुटलेगर अमृताबेन हर्षदभाई कहार की 36 बोटल विदेशी दारू कीमत 25,200 के मुद्दा माल के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस केस में अठवा पुलिस ने आरोपी लालू दमण वाला को वान्टेड जाहेर किया था अठवा पुलिस ने प्रो. एक्ट की कलम 65(ई) 98(2) 81 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

बाप्स के बड़े महंत स्वामी का यू.ए.ई में स्टेट गेस्ट तरीके सम्मान

अबुधाबी में आज हिन्दु मंदिर का शिलान्यास

दुबाई। शुक्रवार को बी.ए.पी.एस स्वामी नारायण संस्था के आध्यात्मिक बडेमहंत स्वामी महराज यूनाइटेड अरब अमीरात की धर्मयात्रा का गुरुवार को प्रारम्भ किया था। दुबाई पहुंचने पर मंहत स्वामी का भव्य स्वागत किया गया तथा राज परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं यू.ए.ई. के मंत्री शेख नहियान मुबारक अल नहियान ने दुबाई के अल मक्तुम इन्टरनेशनल एयरपोर्ट पर महन्त स्वामी का स्वागत किया था। महाराज की यू.ए.ई. की यह प्रथम यात्रा है। प्रमुख स्वामी महाराज के संकल्प के तहत यू.ए.ई. में आबूधावी विस्तार में बन रहे बी.ए.पी.एस. हिन्दु मन्दिर की शिलान्यास क्रिया 20 अप्रैल के दिन शनिवार को होगा। इस बीच भारी संख्या में भक्त गण उपस्थित रहेंगे। महन्त स्वामी संयुक्त अरब अमीरात की 11 दिन की य त्रा पर गये है। इस बीच यू.ए.ई में महन्त स्वामी को स्टेट गेस्ट तरीके सम्मान दिया गया है। कुछ समय पहले ही क्रिश्चियन धर्म के बड़े पोप फ्रांसिस को यू.ए.ई सरकार द्वारा यह सम्मान दिया गया था।

पूज्य महंत स्वामी का दुबाई के अन्तराष्ट्रीय बवाई अड्डे पर आगमन हुआ उस समय भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में सज्जे बच्चों ने पुष्प वर्षा कर अभिवादन एवं स्वागत किया था। बी.ए.पी.एस में स्वामी नारायण भगवान के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यू.ए.ई. के प्रवास में इस मंदिर के निर्माण करने की सूचना दी थी।

भारतीय संस्कृति स्वाभिमान एवं लोकतंत्र हेतु युवा मत आवश्यक: मनोज जोशी

राक्षसो पर प्रसन्न होने वाले भोलेनाथ क्रोधित होने पर भस्म कर देदे थे देश के बदनाम करने वाले राक्षसों को भस्मीभूत करने का समय आ गया है

सूरत। 15वीं लोकसभा के सामान्य चुनाव में मतदान के गिनती के ढाई दिन बाकी है। ऐसे में नामचीन कलाकार मनोज जोशी ने सूरत में नये मतदाताओं युवा सम्मेलनों युवाओं का सम्बोधित करते हुए बताया कि देश में वर्षो से जमे भ्रष्टाचारी जन्तुओं की पूरी जमात को ही नष्ट करने हेतु देश की संस्कृति स्वाभिमान लोकतन्त्र एवं सुरक्षा जवानों को मजबूत बनाने हेतु युवा मतदाताओं का मत आवश्यक है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए मनोज जोशी ने युवा धन को देश सूरज बताते हुए कहा कि 350 से ज्यादा कलम के साथ देश की संसद में प्रखर राष्ट्रभक्त नरेन्द्र मोदी की सरकार बनेगी। वर्षो पहले चाणक्य ने एवं उसके बाद सरदार पटेल ने देश को इकट्ठा करने का प्रयास किया था। कांग्रेस ने उनकी छवि को ही नष्ट कर दिया जैसे दादा दादी पुत्र एवं पैत्र शर्राफ की दुकान में कार्यशैली न जमें तो निकाल देना। दलित नेता जगजीवन राम को कांग्रेस ने निकाल ही दिया था। धर्म जाति वगे में लोगों को बातकर माधव सिंह ने ये काम किया था जिनकों अपने दादा दादी की समाधि पर जाने का भी समय नहीं है। वे अब वोट बैंक के लिए महादेव के मंदिर में जाने लगे है। भोलनोथ तो राक्शश को भी प्रसन्न होकर वरदान देते थे किन्तु क्रोधित होने पर भस्म भी कर देते थे। नरेन्द्र मोदी शंकर के अंश है कांग्रेस गांधी परिवार के सभी बेल पर है और शिवाजी को बेल चढाने जाते है। इन पागलों को कौन समझाये गंगा पूजन करने गया तब किसी ने पूछा तो योग्य जवाब भी नहीं देश का कार्पोरेटर बनने की भी कवालियत नहीं है और प्रधान मंत्री बनने की भावना रखना असम्भव है। प्रत्येक भाषण में एक ही बात अलग अलग ढंग से रखता है क्योंकि उसे याद ही नहीं रहता कि क्या बोल गया।

कांग्रेस ने उत्तर भारतीयों की रेल समस्या के निरकरण का आश्वासन दिया

सूरत। शुक्रवार को सूरत में आए अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव व गुजरात प्रभारी राजीव सातव और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने उत्तरभारतीय रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर ट्रेन के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की और उसके बाद आश्वासन दिया कि कांग्रेस दक्षिण गुजरात में बसे लाखों उत्तर भारतीयों की रेल समस्या को लेकर और उसकी ट्रेन की मांग को लेकर कांग्रेस गंभीर है और सरकार का गठन होते ही उत्तर भारतीयों की रेल समस्या का निदान करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। राजीव सातव और अमित चावड़ा ने सार्वजनिक रूप से टिवटर पर ट्वीट कर भी उत्तर भारतीयों को विश्वास दिलाया की कांग्रेस उनके द्वारा रेल की मांग को सरकार बन्ने के बाद पूर्ण करने का प्रयास करेगी।

बीजेपी मुझपर हमले करवा रही है : हार्दिक

जन आक्रोश रैली में हार्दिक पटेल को शख्स ने मारा थप्पड़

गुजरात के सुरेंद्रनगर में एक जनसभा के दौरान पाटीदार नेता हार्दिक पटेल पर एक शख्स ने थप्पड़ जड़ दिया

सुरेंद्रनगर। लोकसभा चुनाव चल रहे हैं तो कहीं से 'जूताकांड' तो कहीं से थप्पड़कांड का शोर मच रहा है । गुरुवार को ज ीवीएल नरसिम्हा राव पर जूता वार के बाद शुक्रवार को गुजरात के सुरेंद्रनगर में एक जनसभा के दौरान पाटीदार नेता हार्दिक पटेल पर एक शख्स ने थप्पड़ जड़ दिया । इस घटना के बाद जनसभा में हड़कंप मच गया । इस घटना की सामने आए एक विडियो में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि हार्दिक पटेल जन आक्रोश सभा को संबोधित कर रहे हैं । इसी बीच एक शख्स अचानक उनके पास मंच पर आता है और जोर से थप्पड़ मारता है । इस घटना के बाद सभा स्थल पर हंगामा शुरू हो गया । विडियो में हार्दिक पटेल और पिटाई करने वाले शख्स के बीच नोकझोंक भी साफ नजर आई ।

थप्पड़कांड के बाद हार्दिक पटेल ने बीजेपी को हमले के लिए दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, बीजेपी मुझपर हमले करवा रही है । वह चाहती है कि मुझे मार दिया जाए। इन हमलों पर हम चुप नहीं रहेंगे । सुरेंद्रनगर में हुई इस घटना के बाद हार्दिक पटेल पुलिस के पास मामले की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे । बता दें कि गुरुवार को बीजेपी प्रवक्ता जीवीएल नरसिम्हा राव पर जूता फेंककर हमला किया गया। राव और भूपेंद्र यादव साध्वी प्रज्ञा को टिकट दिए जाने पर बीजेपी हेडक्वॉर्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, तब यह घटना हुई। हालांकि, जूता फेंकनेवाले इस शख्स को तुरंत सुरक्षा कर्मचारियों ने अरेस्ट कर लिया । बता दें कि आरोपी शख्स का नाम शक्ति भार्गव है और वह पेशे से डॉक्टर है ।

हनुमान जयंती का महापर्व भक्ति भाव से मनाया गया

अहमदाबाद । शुक्रवार को चैत्र सुद पूर्णिमा और हनुमान जयंती का सुंदर योग होने से हनुमानजी भगवान के भक्तों में हनुमान जयंती का त्यौहार और पूजा, होम-हवन और यज्ञ को लेकर भारी उत्साह और भक्ति का माहौल रहा । शुक्रवार को हनुमान जयंती को लेकर सारंगपुर कष्टभंजन देवस्थान, गांधीनगर के प्रसिद्ध डभोडिया हनुमानजी, शाहीबाग के कैम्प हनुमानजी, एसजी हाइवे पर मारूति धाम, खाडिया के बाला हनुमान, बापूनगर के नागरवेल हनुमानजी मंदिर, मेमनगर के भीडभंजन हनुमानजी, थलतेज के पंचमुखी हनुमानजी मंदिर, मेमनगर गाम के पंचमुखी हनुमानजी मंदिर,सोला रोड पर कांकरिया हनुमानजी, वेजलपुर के जिज्ञासा सोसाइटी के पास भीडभंजन हनुमानजी मंदिर, लोदरा में प्रसिद्ध हनुमानजी मंदिर सहित के भगवान के मंदिरों में हनुमान भगवान का भव्य जन्मोत्सव का आयोजन किया गया था ।

कांग्रेस पार्टी को धुल चटादी गई है : वाघाणी

अमित शाह की चाणक्य नीति से कांग्रेस मुश्किल में

कांग्रेस पार्टी अब ४०० में से ४० सीट पर आ चुकी है

अहमदाबाद । छेटाउदेपुर लोकसभा सीट के अंतर्गत स्थित बोडेली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की जनसभा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी भी उपस्थित रहे। अमित शाह के संबोधन से पहले स्वागत प्रवचन में जीतुभाई वाघाणी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और अमित शाह के मार्गदर्शन के कारण आज पुरे देश में बीजेपी को जनसमर्थन मिल रहा है। अमित शाह की चाणक्य नीति और दुरदर्दी नीति के कारण पुरे देश में कांग्रेस पार्टी को धुल चटाडी गई है। कांग्रेस अब ४०० में से ४० सीट पर आ चुकी है। अस्तित्व की लड़ाई लड रही है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी एक प्रादेशिक पक्ष बनकर रह जाएगा यह बात भी निश्चित दिख रही है। वाघाणी ने बताया कि कांग्रेस में राष्ट्रीय नेतृत्व वंश परंपरागत दिया जाता है। पहले जवाहरलाल नहेरु, इसके बाद इंदिरा गांधी, उसके बाद राजीव गांधी, फिर सोनिया गांधी, फिर राहुल गांधी और अब प्रियंका गांधी जैसे लोंग नेतृत्व कर रहे है। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव सभी लोग देख रहे है। दुसरी और बीजेपी में एक सामान्य कार्यकर भी देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंच सकता है। एक सामान्य कार्यकर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के बाद बीजेपी में राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा कोई नहीं कह सकता। दुसरी और कांग्रेस में यह बात स्पष्ट रुप से कही जा सकती है। कांग्रेस ने हंमेशा प्रांतवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की नीति अपनाई है। दुसरी और बीजेपी ने राष्ट्रवाद और एक भारत श्रेष्ठ भारत की नीति अपनाई है। कांग्रेस ने हंमेशा लोगों को भ्रम मे रखर वोटबैंक की राजनीति की है। अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की जनसभा हो रही है तब लोगों अदम्य उर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)